बर्षः- 06
अंकः- 74
मुरादाबाद
(Saturday)
04 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

लखनऊ आम महोत्सव का शुभारंभ, आधा किलो का आम देख मुस्कुराए सीएम योगीःकिसानों को किया सम्मानित

लखनऊ में आयोजित आम महोत्सव का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट आम उत्पादकों को सम्मानित किया और विभिन्न किस्मों का अवलोकन किया। महोत्सव में सैकड़ों प्रजातियों के आम तथा उनसे बने उत्पाद प्रदर्शित किए गए। सरकार ने किसानों को आधुनिक खेती, निर्यात, गुणवत्ता और रसायन-मुक्त उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित आम महोत्सव का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने आम उत्पादकों से विभिन्न किस्मों की विशेषताओं की जानकारी ली। प्रदर्शनी में रखे करीब आधा किलो वजनी आम को देखकर मुख्यमंत्री मुस्कुरा पड़े और दोनों हाथों में आम लेकर तस्वीर भी खिंचवाई। कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दो पेटी आम खरीदे।मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट आम उत्पादकों को सम्मानित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का आम ब्रिटेन, यूएई, मलेशिया और कुवैत समेत कई देशों में निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक विशेष आम को काकोरी ब्रांड का नाम दिया गया है, जो देशभक्ति और समर्पण का प्रतीक है।800 से अधिक किस्मों के आम प्रदर्शित किए गए तीन दिवसीय आम महोत्सव में 800 से अधिक किस्मों के आम प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें दशहरी, लंगड़ा, चौसा, आम्रपाली, रटौल, लखनऊ सफेदा, अल्फांसो, याकूती, बनाना मैंगो, नूरजहां, लालिमा और टॉमी एटकिंस जैसी प्रसिद्ध किस्में शामिल हैं। वहीं मोदी मैंगो और योगीराज आम भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। महोत्सव में आम से बने अचार, जूस, पल्प और अन्य उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में एआई आधारित खेती, ई-कॉमर्स और वैश्विक निर्यात को बढ़ावा देने पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने रसायन-मुक्त उत्पादन, गुणवत्ता और वैश्विक मानकों के अनुरूप आम तैयार करने पर जोर देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की असली ताकत उसके किसान हैं और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।सीएम बोले- यूपी में ढ्ढ बेस्ड फार्मिंग को आगे बढ़ाना है
योगी ने कहा, आम को संरक्षित करने के लिए किसानों को बैग उपलब्ध कराए जा रहे हैं। हमें यूपी में ढ्ढ बेस्ड फार्मिंग को आगे बढ़ाना है। ई-कॉमर्स और ग्लोबल एक्सपोर्ट को बढ़ाने के लिए हम काम कर रहे हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि यूपी का प्रोडक्ट केमिकल-मुक्त हो। आम गुणवत्ता, सुरक्षा और वैश्विक मानकों पर खरा उतर सके, इस पर हमारा ध्यान होना चाहिए।योगी बोले- हमारी असली ताकत किसान हैंसीएम योगी ने कहा, आम महोत्सव यूपी ही नहीं, बल्कि देश के अन्नदाता किसानों के लिए एक शो-केसिंग का आधार भी है। वे अपने प्रोडक्ट को बायर्स-सेलर्स मीट के माध्यम से वैश्विक पहचान दिलाने का काम कर सकते हैं। जैसे मलिहाबाद का दशहरी आम, जिसे अब जीआई टैग भी मिल चुका है। जीआई टैग का मतलब है कि दशहरी आम वैश्विक ब्रांड बन चुका है। दुनिया में जहां कहीं भी जाएगा, उसकी पहचान बनी रहेगी। ये जितने भी आम हैं, वे यूपी की ताकत को बढ़ाते हैं। यूपी की असली ताकत किसान हैं, जिनकी वजह से यह महोत्सव संभव हुआ है। प्रदेश में आम के किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए चार पैक हाउस बनाए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

चढ़ावा चोरी पाप नहीं, महापाप, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बोले- कानून के साथ भगवान भी देंगे दंड

अयोध्या पहुंचे धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास के गुरु के निधन पर शोक जताया। राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर एसआईटी जांच, सरकार और कानून व्यवस्था पर भरोसा जताया। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका संतों और श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। यहां उन्होंने हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास के गुरु के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि यह केवल पाप नहीं, बल्कि महापाप है। जो भी इस कृत्य में दोषी होगा, उसे कानून के तहत सजा मिलेगी। भगवान भी उसे उसके कर्मों का दंड देंगे। एसआईटी जांच, देश की कानून व्यवस्था और सरकार पर पूरा भरोसा है। जांच निष्पक्ष होगी और सभी दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने आरोप लगाया कि देश में संतों, महंतों, मठों और मंदिरों के खिलाफ सुनियोजित षड्यंत्र रचा जा रहा है। ऐसे प्रयासों का उद्देश्य लोगों की धार्मिक आस्था और श्रद्धा को कमजोर करना है। इसलिए, समाज को सतर्क रहने की आवश्यकता है। श्रद्धालुओं को किसी भी तरह के भ्रम या दुष्प्रचार में नहीं आना चाहिए। सत्य सामने आएगा। दोषियों को कानून के साथ-साथ ईश्वर का भी दंड मिलेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले नए सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, पद संभालने के बाद की पहली औपचारिक मुलाकात

भारतीय सेना के नए प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। 30 जून को 31वें थल सेनाध्यक्ष का पद संभालने वाले जनरल सेठ ने जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह ली है। जनरल सेठ के पास करीब चार दशक का सैन्य अनुभव है और उनके नेतृत्व में सेना के आधुनिकीकरण व आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाने पर जोर रहेगा।भारतीय सेना के नए प्रमुख (थल सेनाध्यक्ष) जनरल धीरज सेठ ने गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। सेना प्रमुख का पद संभालने के बाद यह उनकी रक्षा मंत्री के साथ पहली औपचारिक बैठक थी। रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए इसकी जानकारी दी। रक्षा मंत्री कार्यालय ने अपने पोस्ट में कहा कि थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने कर्तव्य भवन-2 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की।30 जून को संभाली थी सेना की कमान- जनरल धीरज सेठ ने 30 जून को भारतीय सेना के 31वें थल सेनाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था। उन्होंने जनरल उपेन्द्र द्विवेदी का स्थान लिया, जो 40 वर्ष से अधिक की सैन्य सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। करीब 13 लाख सैनिकों वाली भारतीय सेना की कमान ऐसे समय में जनरल सेठ ने संभाली है, जब सेना सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के साथ-साथ आत्मनिर्भर और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक सेना बनने की दिशा में तेजी से काम कर रही है।पश्चिमी सीमा पर दो कमानों का नेतृत्व करने का अनुभव- जनरल धीरज सेठ भारतीय सेना के उन चुनिंदा अधिकारियों में शामिल हैं, जिन्हें पश्चिमी मोर्चे पर दो अलग-अलग ऑपरेशनल कमानों का नेतृत्व करने का दुर्लभ अनुभव हासिल है। उन्हें विभिन्न चुनौतीपूर्ण इलाकों में काम करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों का भी लंबा अनुभव है। एनडीए के पूर्व छात्र हैं जनरल सेठ- जनरल सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। उन्हें दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कॉर्प्स में कमीशन मिला था। लगभग चार दशक के सैन्य करियर में उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई और अलग-अलग भौगोलिक एवं संघर्ष वाले क्षेत्रों में नेतृत्व किया।गार्ड ऑफ ऑनर से किया गया सम्मानित- सेना प्रमुख का पद संभालने के एक दिन बाद, 1 जुलाई को दक्षिण ब्लॉक परिसर में आयोजित समारोह में जनरल धीरज सेठ को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। जनरल धीरज सेठ के नेतृत्व में भारतीय सेना से सीमाओं की सुरक्षा को और मजबूत करने, आधुनिकीकरण को गति देने तथा स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण फैसलों की उम्मीद की जा रही है।

मंदिर चढ़ावा चोरी पर संघ ने जारी किया बयान, कहा- चोरी की घटना से राम भक्तों की श्रद्धा को आघात पहुंचा

आरएसएस ने मंदिर चढ़ावा चोरी पर कहा कि इस घटना से करोड़ों राम भक्तों की श्रद्धा और आस्था को गहरा आघात पहुंचा है। साथ ही व्यवस्था की कमियां दूर कर पारदर्शी वित्तीय प्रबंधन और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की बात भी कही।
अयोध्या में रामलला मंदिर चढ़ावा चोरी होने की घटना पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कड़ा बयान जारी किया। संघ ने कहा कि यह घटना केवल चोरी का मामला नहीं है, बल्कि इससे करोड़ों राम भक्तों की आस्था और श्रद्धा को गहरा आघात पहुंचा है। संघ ने दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए मंदिर प्रबंधन और व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया है।
क्या बोला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और क्यों जताई चिंता?- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने जारी बयान में कहा कि श्री राम जन्मभूमि पर बना भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष, करोड़ों राम भक्तों के समर्पण, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। यही कारण है कि यह मंदिर पूरे हिंदू समाज की आस्था, श्रद्धा और भक्ति का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में अयोध्या स्थित श्री रामलला मंदिर के दान पात्रों में जमा धनराशि की चोरी की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। संघ ने कहा कि इस घटना से पूरे समाज और राम भक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं। इसलिए इस मामले को सामान्य अपराध की तरह नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े गंभीर विषय के रूप में देखा जाना चाहिए।दोषियों पर क्या कार्रवाई की मांग की गई? संघ ने अपने बयान में कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के आग्रह पर उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। जांच दल की सिफारिश के आधार पर कानूनी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। संघ ने स्पष्ट कहा कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। साथ ही यह भी कहा गया कि न्याय तभी पूरा माना जाएगा, जब दोषियों को कानून के अनुसार सख्त दंड मिलेगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी। मंदिर प्रबंधन से संघ की क्या अपेक्षा है? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा कि इस घटना को असाधारण मानते हुए मंदिर प्रबंधन को व्यवस्था और संचालन की सभी कमियों को दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। संघ के अनुसार वर्तमान में जो भ्रम और असमंजस की स्थिति बनी है, उसे जल्द समाप्त करना जरूरी है। इसके लिए मंदिर प्रबंधन और शासन द्वारा गठित विशेष जांच दल आवश्यक पहल करें। संघ ने विश्वास जताया कि बेहतर वित्तीय प्रबंधन, पूरी पारदर्शिता, मजबूत निगरानी व्यवस्था और धार्मिक पवित्रता के वातावरण के जरिए श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास करोड़ों श्रद्धालुओं का विश्वास और अधिक मजबूत करेगा।हिंदू समाज से संघ ने क्या अपील की? अपने बयान के अंत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूरे हिंदू समाज से धैर्य और संयम बनाए रखने की अपील की। संघ ने कहा कि इस कठिन समय में समाज को भावनाओं में बहने के बजाय जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का लाभ उठाकर हिंदू विरोधी और राष्ट्र विरोधी शक्तियां हिंदू धर्म तथा समाज को बदनाम करने का प्रयास कर सकती हैं। ऐसे किसी भी षड़यंत्र को विफल करना पूरे समाज की जिम्मेदारी है। संघ ने भरोसा जताया कि निष्पक्ष जांच, पारदर्शी व्यवस्था और प्रभावी सुधारों के जरिए मंदिर की गरिमा, पवित्रता और करोड़ों राम भक्तों की आस्था पहले की तरह अटूट बनी रहेगी।

नई रणनीति बनाने में जुटा INDIA ब्लॉक : ममता बनर्जी से मिली जया बच्चन; कोलकाता में बंद कमरे में क्या हुई बात

हालिया विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (TMC) की हार के बाद विपक्ष के नए राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इसी बीच समाजवादी पार्टी की राज्यसभा सांसद जया बच्चन ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से उनके कोलकाता स्थित कालीघाट आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में नई अटकलों को जन्म दे दिया है। यह मुलाकात इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि कुछ दिन पहले ही समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता किरणमय नंदा ने कोलकाता दौरे के दौरान विधानसभा चुनावों में ञ्जरूष्ट की हार के लिए ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा था कि, %लोग ममता बनर्जी को लगातार चौथी बार सत्ता में नहीं देखना चाहते थे।%पश्चिम बंगाल में ञ्जP की शानदार जीत के बाद INDI गठबंधन के इन दो सहयोगी दलों के बीच बढ़ती दूरी को लेकर नंदा के बयान ने राजनीतिक अटकलों को और हवा दी। माना जाने लगा कि विपक्षी एकजुटता में दरार गहराती जा रही है।हालांकि, इस मुलाकात के राजनीतिक मायने निकालने की कोशिशों को TMC ने खारिज किया। पार्टी नेता कुणाल घोष ने कहा कि जया बच्चन और ममता बनर्जी के बीच वर्षों पुराने व्यक्तिगत संबंध हैं।जया बच्चन और ममता बनर्जी एक-दूसरे को लंबे समय से जानती हैं। जया बच्चन ममता बनर्जी को बेहद पसंद करती हैं और दोनों वर्षों से लगातार संपर्क में हैं। यह सिर्फ एक शिष्टाचार भेंट थी। अखिलेश यादव भी कर चुके हैं मुलाकात- विधानसभा चुनाव परिणाम आने के कुछ समय बाद ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी कोलकाता पहुंचे थे और ममता बनर्जी से उनके आवास पर मुलाकात की थी। उस मुलाकात को चुनावी हार के बाद TMC प्रमुख के प्रति समर्थन और एकजुटता के संदेश के रूप में देखा गया था। राजनीतिक जानकार क्या मानते हैं?- राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जया बच्चन की यह मुलाकात इस बात का संकेत देती है कि समाजवादी पार्टी नेतृत्व के कुछ नेताओं की सार्वजनिक आलोचना के बावजूद दोनों दलों के बीच संवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और भविष्य में विपक्षी तालमेल की संभावनाएं बनी हुई हैं। BJP ने साधा निशाना- इस मुलाकात पर पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ BJP की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। वरिष्ठ BJP नेता और राज्य की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने TMC में चल रही अंदरूनी खींचतान का जिक्र करते हुए पार्टी की मौजूदा स्थिति पर सवाल उठाएक्र

संपादकीय Editorial

The "inconclusive" case

Dr. Vikram Singh, former Director General of Police of Uttar Pradesh, and M.L. Sharma, former Special Director of the CBI, assess that the Ram Temple donation theft case is unlikely to reach a conclusion because the investigation being conducted is riddled with loopholes and questionable details. A very relaxed investigation is underway. A farce is being staged in the name of investigation. The crucial and questionable question is why the police have not sought the remand of the eight accused who have been sent to jail for 14 days of judicial custody again. If remand is not granted, how will the accused be interrogated and questioned? If interrogation is not conducted, how will the alleged perpetrators be recovered? How will the clues and network of the crime be uncovered? Recovery is only significant and legal if the accused confess and reveal where the stolen money, jewelry, etc. are kept and where the money has been invested. Unless this information is confirmed and verified, the crime cannot be proven. Both top police officers believe that the actions taken by the Trust, the concealment of the seizure of approximately 80 lakh rupees from the Special Investigation Team, and the filing of the FIR after 20 days, are so laden with loopholes that the investigation is unlikely to reach any conclusion. It is noteworthy that VHP International President Alok Kumar has revealed that on June 5th, the Ram Temple Trust itself conducted a preliminary investigation. Police assistance was sought, and a black bag containing approximately 5 lakh rupees in cash was recovered from the home of accused Avinash Shukla. However, on June 7th, Trust General Secretary Champat Rai Bansal denied any "theft," stating that nothing significant had occurred. Former Director General of Police Vikram Singh considers this an "illegal" interference by the Trust. On whose orders did the police participate in that raid? He questions why an FIR was not filed despite the seizure of money. In fact, we also believe that there was a gap of 20 long days between the initial seizure and the filing of the FIR on June 25th. During that time, the accused and their handlers may have destroyed evidence and disposed of the stolen money, and despite this, the Ayodhya police did not take the accused on remand. Obviously, the investigation will not be conclusive. Can such a sensitive and corrupt case of donation theft remain inconclusive? It is clear that much is being concealed at the trust level, and therefore, Champat Rai Bansal, Anil Mishra, and others also have an equal role in the crime! The police have also questioned Champat Rai and recorded his statement, but no FIR has been filed against him, nor has he been named as an accused. Why…? Surprisingly, the police raided the homes of eight accused. Cash, jewelry, and important documents are claimed to have been recovered.The accused's family members have also been questioned. Yet, why has the police not sought remand for the accused in court? Does the police know everything? Has the police gathered sufficient evidence? We believe this is a case of political pressure, protection of the accused, and collusion. The "big fish" must be afraid that these "small fish" might reveal the truth and get caught in the "crocodile" trap! It's also worth noting that the widespread and continuous theft at Lord Shri Ram's temple is still under investigation. However, Chief Minister Yogi Adityanath has raised the issue of the movement for the Shri Krishna Janmabhoomi temple in Mathura. An attempt has been made to implicate SP President Akhilesh Yadav in it. Could the theft of donations and offerings become a major issue in the 2027 assembly elections? The Ram Shilas, which were made of silver, should also be investigated. Along with the lamps and flowers, money was collected.

Look back: Keep an eye on the coming moment, bid farewell to the past with respect.

The past should be bid farewell with respect, and the new that is about to come should be welcomed with an open heart. The day we accept the changing age with ease,
the burden of life begins to feel lighter, and the mind becomes freer than ever before.

As I progressed in life, I realized that each year of age brings with it a new story. When I reached my forties, the question I was asked most often was, "Aren't you afraid of turning forty?" I smiled and asked myself, "What's there to fear after all?" I realized that aging is proof that I have another year to live. I am deeply grateful for this, because many people never reach the age where they can see life from a new perspective in the light of their experiences. I learned that the greatest fatigue in life lies not in growing old, but in grappling with the truth that cannot be changed. When we try to stop time, we lose our peace. But the day we accept our changing age with ease, the burdens of life seem lighter, and the mind becomes freer than ever. This does not mean that the beauty of youth diminishes.
For me, youth will always be a precious chapter in my life, because it was there that I dreamed, made mistakes, learned, fell, recovered, and created many memories. The past should be bid farewell with respect, and the new that is to come should be welcomed with an open heart. This thought has taught me that even though the path ahead may be unknown, each step takes me deeper into my own personality. Every new year teaches me something I did not know before. So, today I ask myself some questions. Am I not wiser than I was ten years ago? Don't my experiences make me stronger?

Don't I now understand my needs, my happiness, and the people I love better? From their answers I realize that age has not taken anything away from me, but has given me a lot.

Another aspect: How the brain weaves the web of addiction. GLP-1-based drugs could revolutionize medical science.

The more vivid and repeated the image of an object is formed in the brain, the greater the likelihood of addiction. GLP-1-based obesity-reducing drugs may prove effective in eliminating addiction, especially substance abuse. Activation of GLP-1 receptors in the brain's lateral septum reduces neural activity. This reduces the intense craving for a substance. Imagine suddenly seeing an image of a delicious burger so vividly in your mind that you can't resist eating it. This same process occurs with other substances and drugs. It starts with a simple desire, but when the same desire recurs and the urge to satisfy it increases, this craving gradually turns into an addiction. Scientific research shows that the more vivid and repeated the image of an object is formed in the brain, the greater the likelihood of addiction. For decades, scientists have been exploring how the brain transforms a simple desire into such a powerful craving. Now, GLP-1-based obesity-reduction drugs are proving effective in unraveling this mystery. GLP-1 is a natural hormone released from the intestines after eating. It regulates blood sugar and sends satiety signals to the brain, reducing hunger and helping treat obesity. However, research suggests that GLP-1 drugs may also be helpful in reducing drug addiction. The brain's reward system, particularly the ventral tegmental area and nucleus accumbens, has long been considered a key hub for addiction because it controls dopamine release. However, researchers discovered that GLP-1 receptors are present in very low concentrations in these areas. Then, their attention turned to the lateral septum. This is a crucial center in the brain where memories, emotions, and pleasurable experiences connect. When we imagine our favorite food or a drug, a mental image of it is formed in the brain. This region transmits that image to the reward system, intensifying cravings. GLP-1 receptors are found in large numbers in the lateral septum. When these receptors are activated, neural activity in this region weakens. As a result, the mental image of delicious food or drugs becomes blurred, and the urge to obtain them also diminishes. If future research confirms these findings, GLP-1-based drugs could revolutionize medical science. - The Conversation

Dev's Diary: The one who loses his voice last is the wisest!

For the past few days, my attention has been riveted on the TV debates. The greatest achievement of our era is that we have found a substitute for intelligence in our lungs. People used to go to the library for discussions; now they're visiting throat doctors to ensure their vocal cords don't fail mid-debate. I have a parrot. His name is Alpha. He keeps hopping around the house all day. For a few days, he's been making a lot of noise. We're all worried. He's created such a ruckus that I felt like the neighborhood electricity department office had opened in my drawing room. When my anxiety reached its peak, I called my biologist brother in Bikaner. The crisis was huge, so he took the matter seriously, forming a committee. After taking in all the input, what my brother said sent a chill down my spine. "It's a lifestyle disease," he said. "Now, you tell me, a man whose only life is the distance between home and office and back home, and whose only life is the art of checking out different petrol pumps to fill up his car with petrol, what lifestyle changes would he have? Well, I soon discovered the true source of that great noise. It so happened that a relative was visiting us for a few days. He had a long-standing habit of watching the "debates" on news channels. He would spend hours in front of the TV. Alpha, too, would sit on the armrest of a nearby sofa and watch the debates intently. The relative returned to the village, but within those few days, Alpha had become "updated." He understood the mathematics of noise. He had learned from those valiant TV spokespersons that getting one's point across requires not logic, but lung strength and a sore throat. "Lungs" are the alternative to "intelligence"! For a while now, my attention has been riveted on the "debates" on TV. The greatest achievement of our era is that we have found the alternative to "intelligence" in our "lungs." People used to go to the library for debates; now, they're visiting throat doctors to ensure their vocal cords don't fail mid-debate. When we were young, we used to have "debate competitions" in our village school, Motiya. We had to assemble arguments. The teacher would say, "Present facts and evidence in your favor with dignity." Gradually, those debate competitions disappeared, at least in village schools. TV has made remarkable progress in this direction. It has taught us that "argument" means drowning out the other person's voice under the rubble of one's own. This tradition has supplied a new definition of a scholar to society. Now, the person whose voice can wake up the entire neighborhood is considered the greatest scholar. People say, "Was he roaring like a lion?" No one asks whether there was any substance in that roar, or was it just the pressure of the wind? I have a classmate. He's now a prominent leader. Every day, he's seen engaging in TV debates somewhere. I first heard him shouting in the huge crowded ticket queue for the matinee show at Shankar Talkies in Bhagalpur. Wow, what a shout! We had tickets in our hands in an instant. All of us friends wished him a bright future that day. The result is in front of us. He's one of those TV spokespersons who insists on staying loud until the end. Shouting is necessary to increase TRPs - I was talking to him yesterday. I asked, "Brother, what are you doing on TV? You just shout. Listen to others too." He started laughing, "Sir, listening might have increased knowledge, but now shouting increases TRPs. And in this day, TRPs are the ultimate truth; everything else is a myth." I was satisfied with this divine knowledge. Those who regularly watch TV debates know that the relationship between anchor and guest is no longer that of guest and host. Anchor and guest are now like two engine drivers, each running on their own track and constantly blowing the horn so that the other cannot hear. People certainly talk about freedom of speech, but the reality is that only those whose voice is louder than an aircraft engine have the freedom to speak. Everyone else is merely spectators paying taxes to hear that noise. Everyone knows that if you can't interrupt someone, you can at least make enough noise to make the other person unable to hear you. An incident comes to mind. Two friends went to the forest. One had a gun. Seeing a lion in the forest, he didn't fire his gun, but instead started shouting loudly. His friend asked, "Brother, what is this?" The friend said, "Brother, in today's times, it's more important to show you're there than to attack." The anchor on the field repeatedly tells everyone to "keep quiet," and he himself shouts.

पत्नी की गला घोंटकर हत्याः खुद ही बुला ली पुलिस, बेड पर बैठा मिला हत्यारोपी, आए दिन होती थी कहासुनी

क्यूँ न लिखूँ सच / शिमलाठेर गांव में बुधवार देर रात टेंपो चालक महेश ने अवैध संबंधों के शक में पत्नी राजवती (35) की गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी ने खुद पुलिस को सूचना दी।

कुंदरकी थाना क्षेत्र के शिमलाठेर गांव में बुधवार की देर रात करीब एक बजे टेंपो चालक महेश ने दुपट्टे से गला घोंटकर अपनी पत्नी राजवती (35) की हत्या कर दी। इसके बाद करीब एक घंटे तक वह शव के पास ही बैठा रहा। बाद में खुद ही थाने पर फोन करके पुलिस को बुला लिया। इससे पहले ग्राम प्रधान को भी फोन करके घटना की जानकारी दी थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में उसने अवैध संबंधों के शक में पत्नी की हत्या करना कबूला है।

एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि कुंदरकी के शिमलाठेर निवासी महेश की शादी 13 साल पहले अमरोहा जिले के डिडौली थाना क्षेत्र में हसनपुर निवासी राजवती के साथ हुई थी। दंपती के दो बेटे विष्णु (13) और ललित (8) और एक बेटी कनक (6) हैं। महेश टेंपो चालक है और उसकी पत्नी राजवती एक प्राइवेट कंपनी में काम करती थी। कंपनी के टूर और अन्य कार्यक्रमों में भी जाने की बात सामने आई है। जिसको लेकर घर में विवाद रहने लगा। बुधवार की देर रात भी पति पत्नी के बीच विवाद हुआ था। रात को करीब एक बजे जब तीनों बच्चे सो गए तो महेश ने दुपट्टे से पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी।

करीब दो बजे उसने पहले प्रधान को कॉल कर बताया कि उसने अपनी पत्नी को मार डाला है और उसकी लाश घर में ही बेड पर पड़ी है।इसके बाद पुलिस को भी कॉल की। प्रधान ने भी पुलिस को इस बारे में जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो शव बेड पर पड़ा था और वहीं पास में ही महेश बैठा हुआ था। पास में दुपट्टा भी पड़ा मिल गया। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके की जांच की। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। मृतका के भाई गुड्डू की तहरीर पर हत्यारोपी महेश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पांच साल से प्राइवेट कंपनी में काम कर रही थी राजवती- राजवती करीब पांच साल से एक प्राइवेट कंपनी में काम कर रही थी। जिसमें वह महिलाओं को मेंबर बनाती थी। कंपनी में ही कार्यरत किसी अधिकारी से उसकी जान पहचान हो गई थी। वह महिला के घर भी आता था और राजवती को भी उसके साथ कंपनी के टूर पर बाहर जाना पड़ता था। कुछ दिन पहले कंपनी की ओर से राजवती टूर पर गई थी। पति ने उस वक्त भी विरोध किया था। दोनों के बीच आए दिन विवाद होने लगा था।बहाने से कमरे में बुलाकर उतारा मौत के घाट

हत्या की वारदात से पहले घर में दोनों पति पत्नी में झगड़ा हुआ था।

कुछ देर बाद दोनों शांत हो गए लेकिन राजवती अपने पति महेश के खतरनाक इरादे को भांप नहीं पाई थी। गर्मी के चलते महेश के दोनों बेटे मकान की छत पर सोए हुए थे जबकि पत्नी अपनी बेटी के साथ बरामदे में लेटी थी। महेश भी छत पर जाकर सो जाता था लेकिन बुधवार की रात वह छत पर नहीं गया, बल्कि नीचे ही कमरे में रुका रहा। महेश ने पत्नी को किसी बहाने से कमरे में बुला लिया और गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी।माता पिता को अलग-अलग करने का प्रयास किया, लेकिन इसी बीच आरोपित ने फटा हुआ लोवर उठाया और उससे गला दबा दिया। इससे राजवती की मौत हो गई। हालांकि सात वर्षीय बेटी कनक ने मां को बचाने का काफी प्रयास किया। उसने शोर भी मचाया, लेकिन पड़ोस में ही मंगनी का कार्यक्रम चल रहा था।

जिसमें डीजे बज रहा था।

ऐसे में उसकी आवाज किसी के कानों तक नहीं जा सकी। पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपित वहीं पर बैठ गया। कनक रोते हुए छत पर सो रहे अपने भाइयों के पास पहुंची और उन्हें उठाकर लेकर आई। मां को जमीन पर पड़ा देख उनकी चीख निकल गई। पड़ोसियों को बुलाया गया, लेकिन आरोपित वहीं पर बैठा रहा।

मामले की जानकारी पर प्रभारी निरीक्षक हम्बीर सिंह जादौन पहुंच गए। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया। पुलिस हिरासत में आरोपित बोला साहब बुधवार को भी प्रेमी से मिलने के लिए गई थी। मना करने के बाद भी नहीं मान रही थी। इसलिए हत्या कर दी।

उधर मृतक के भाई गुड्डू निवासी हसनपुर कला डिडौली अमरोहा ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि करीब 13 वर्ष पहले बहन की शादी महेश से की थी। महेश शादी के बाद से ही प्रताड़ित करता था और अब उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने शिकायती पत्र के आधार पर आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपित पति को शक था कि पत्नी का किसी से प्रेम प्रसंग चल रहा है। इसी के चलते उसने हत्या की है।

35 साल पुराने रामकुंवर हत्याकांड में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, उम्रकैद बरकरार; दोषियों को 15 दिन में सरेंडर का आदेश

मुरादाबाद। करीब 35 वर्ष पुराने चर्चित रामकुंवर हत्याकांड में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए दोषियों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी है। अदालत ने दोषियों की अपील खारिज करते हुए उन्हें 15 दिनों के भीतर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। आदेश का पालन नहीं करने पर उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए जाएंगे।न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष की ओर से पेश किए गए प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, चिकित्सीय साक्ष्य और अन्य सबूत दोष सिद्ध करने के लिए पर्याप्त हैं।

अदालत ने बलिस्टर, महेश और नरेश की अपील को निरस्त करते हुए निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा।1987 में हुई थी सनसनीखेज हत्या- मामला 27 सितंबर 1987 का है।

थाना कुंदरकी क्षेत्र के बसेड़ा गांव में मंदिर से अखंड रामायण पाठ सुनकर लौट रहे रामकुंवर की पुरानी रंजिश के चलते गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि हत्या के बाद आरोपियों ने शव को रस्सी से बांधकर जंगल तक घसीटा और पहचान छिपाने के उद्देश्य से धड़ से सिर अलग कर दिया। घटना के दौरान हुई फायरिंग में वीरम नाम की युवती भी छर्रे लगने से घायल हो गई थी। पुलिस ने 4 अक्टूबर 1987 को गन्ने के खेत से रामकुंवर का धड़ बरामद किया था,

लेकिन सिर कभी बरामद नहीं हो सका। पुरानी रंजिश बनी हत्या की वजह- जांच में सामने आया कि घटना से करीब ढाई साल पहले महेश ने अपनी बहन सुमन को भगाने का आरोप लगाते हुए रामकुंवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। अभियोजन के अनुसार इसी पुरानी रंजिश के चलते हत्या की साजिश रची गई और वारदात को अंजाम दिया गया। निचली अदालत ने 1989 में सुनाई थी उम्रकैद- अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने 2 मई 1989 को महेश, नरेश और विरपाल को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत तथा बलिस्टर को धारा 302/34 के तहत आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके अलावा उन्हें धारा 201 और धारा 324/34 के तहत भी दोषी ठहराया गया था। हाईकोर्ट ने खारिज किए सभी तर्क- दोषियों ने हाईकोर्ट में दलील दी थी कि प्राथमिकी दर्ज करने में देरी हुई, गवाह मृतक के परिजन थे

और उनके बयानों में विरोधाभास है। हालांकि अदालत ने इन सभी तर्कों को खारिज कर दिया। खंडपीठ ने कहा कि घटना के लगभग साढ़े चार घंटे के भीतर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई थी, इसलिए इसमें किसी प्रकार की मनगढ़ंत कहानी या अनावश्यक देरी का सवाल नहीं उठता। अदालत ने यह भी माना कि प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के बयान पोस्टमार्टम रिपोर्ट और चिकित्सीय साक्ष्यों से पूरी तरह मेल खाते हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि केवल इस आधार पर किसी गवाह की गवाही को खारिज नहीं किया जा सकता कि वह मृतक का रिश्तेदार है। पीड़ित पक्ष ने फैसले का किया स्वागत- हाईकोर्ट के फैसले के बाद पीड़ित पक्ष ने संतोष जताते हुए कहा कि भले ही न्याय मिलने में लंबा समय लगा, लेकिन इस निर्णय ने न्यायपालिका में उनका विश्वास और मजबूत किया है।

ट्रेनों में 25% चोरियां कर रहे कोच अटेंडेंट, जज के रिश्तेदार का बैग चोरी होने पर खुला बड़ा सच

प्रयागराज से मुरादाबाद आ रही नौचंदी एक्सप्रेस में एक न्यायाधीश के रिश्तेदार का लाखों का बैग चोरी हो गया, जिसमें हीरे-सोने के गहने और नकदी थी। जांच में पता चला कि चोरी कोच अटेंडेंट ने की थी, जिसे गिरफ्तार कर सारा सामान बरामद कर लिया गया।प्रयागराज के न्यायाधीश के रिश्तेदार का कोच अटेंडेंट ने किया था बैग चोरी-कोच अटेंडेंट ने ट्रेन के शौचालय के बिजली पैनल में छिपाई थी चोरी रकमप्रयागराज से नौचंदी एक्सप्रेस (14241) में सफर कर रहे हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश के रिश्तेदार रामनगर में बेटी की शादी में शामिल होने के लिए मुरादाबाद उतरे थे। एच-1 कोच की सीट पर छूटे उनके बैग से करीब 12 लाख रुपये मूल्य के हीरे, सोने के गहने और 10,101 रुपये नकद चोरी करने के मामले ने ट्रेनों में होने वाली चोरी का एक बड़ा सच उजागर कर दिया है। एसपी रेल आशुतोष शुक्ल के अनुसार ट्रेनों में होने वाली करीब 25 प्रतिशत चोरी की घटनाओं में प्राइवेट एजेंसियों द्वारा रखे गए कोच अटेंडेंट की संलिप्तता रहती है। जिससे कोच में हम और आप सफर कर रहे हैं, उसका कोच अटेंडेंट भी आपके सामान पर निगाह रखे हुए हैं।आरोपित कोच अटेंडेंट ने नकदी एसी कोच के शौचालय की छत में बिजली पैनल के पेच खोलकर छिपा दी थी, जबकि गहने मुरादाबाद जंक्शन के पास रेलवे ट्रैक के किनारे पत्थरों के बीच दबा दिए थे।

27 जून को प्रयागराज से नौचंदी एक्सप्रेस के एच-1 कोच की सीट संख्या 15 पर यात्रा कर रहे योगेश नारायण की पत्नी रितिका सिंह अपना बैग ट्रेन में ही भूल गई थीं। दंपती मुरादाबाद उतरकर रामनगर में न्यायाधीश की बेटी की शादी में शामिल होने चले गए।होटल पहुंचने पर पहचान पत्र की जरूरत पड़ी तो बैग ट्रेन में छूटने का पता चला। इसके बाद जीआरपी में मुकदमा दर्ज कराया गया। जांच के दौरान पुलिस ने उसी कूपे में यात्रा करने वाले अन्य यात्रियों से संपर्क किया। सभी यात्रियों ने बैग के बारे में जानकारी होने से इनकार कर दिया। इसके बाद जांच का शक कोच अटेंडेंट पर गया।

एक जुलाई को जब आरोपी अटेंडेंट दोबारा नौचंदी एक्सप्रेस के साथ मुरादाबाद पहुंचा तो उससे पूछताछ की गई। पहले उसने घटना से इनकार किया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर चोरी स्वीकार कर ली। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर पूरी बरामदगी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। चार महीने पहले चंदौसी में भी सामने आया था ऐसा मामला- एसपी रेल आशुतोष शुक्ल ने बताया कि एसी कोच अटेंडेंट की जिम्मेदारी यात्रियों के उतरने के बाद बेडरोल समेटने की होती है। यदि किसी यात्री का बैग या पर्स छूट जाता है तो उसे तत्काल टीटीई, जीआरपी या आरपीएफ को सौंपना चाहिए। उन्होंने बताया कि ट्रेनों में होने वाली करीब 25 प्रतिशत चोरी की घटनाओं में कोच अटेंडेंट की भूमिका सामने आती है। चार महीने पहले चंदौसी में सत्याग्रह एक्सप्रेस में भी कोच अटेंडेंट की संलिप्तता का मामला सामने आया था। एसपी रेल ने कहा कि इस तरह के मामलों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

फायरिंग के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर कोतवाली पुलिस ने फायरिंग करने के आरोप में नामजद एक आरोपी को बृहस्पतिवार दोपहर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से फायरिंग में प्रयुक्त तमंचा और दो कारतूस बरामद किए हैं। 22 जून की रात ग्राम डिबडिबा की सुभाष नगर कॉलोनी निवासी विक्रमजीत सिंह के घर के बाहर कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते हवाई फायरिंग की थी। गोलियों की आवाज सुनकर विक्रमजीत और मोहल्ले के लोग जाग गए थे। घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। पीड़ित ने सुभाष नगर कॉलोनी निवासी गुरुदित्ता, एसप्रीत सिंह और गुरुसेवक सिंह के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी।सीओ हर्षिता सिंह ने बताया कि घटना में वांछित आरोपी गुरुसेवक सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य दो नामजद आरोपियों को भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वृद्धा ने बहू समेत दो महिलाओं पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई

रामपुर। थाना खजुरिया क्षेत्र के ग्राम चैनपुर निवासी वृद्धा रूपा देवी ने बहू कुसुम लता और गांव की सरोज के खिलाफ धोखाधड़ी से मकान बेचकर बेघर करने का आरोप लगाते हुए नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है।रूपा देवी ने खजुरिया थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि उन्होंने 21 जुलाई 2008 को लोकमन प्रसाद से 40 हजार रुपये में मकान खरीदा था। पति की मृत्यु के बाद वह अपने पुत्रों के साथ रह रही थीं। वर्ष 2024 में छोटे पुत्र हुकुम सिंह की मृत्यु हो गई।आरोप है कि पुत्र की मौत के बाद बहू कुसुम लता अपने मायके दलेलगंज, थाना जहानाबाद, पीलीभीत चली गई। वहां रहकर उसने घर का सामान बेचना शुरू कर दिया और पांच दिसंबर 2025 को कथित रूप से धोखाधड़ी कर मकान गांव की सरोज को तीन लाख रुपये में बेचकर बैनामा करा दिया।वृद्धा का आरोप है कि बहू को मकान बेचने का कोई अधिकार नहीं था। कुसुम लता और सरोज उन्हें जबरन घर से निकाल रही हैं। थाने में कार्रवाई न होने पर उन्होंने अदालत की शरण ली। इसके बाद एसपी के आदेश पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। सीओ हर्षिता सिंह का कहना है कि मामले की तहकीकात की जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत

रामपुर। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में दवा लेने आई मसवासी क्षेत्र के सेमरा रहमतगंज गांव निवासी रेशमा की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। हादसे के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव अपने साथ गांव ले गए। रेशमा बृहस्पतिवार को दवा लेने के लिए रामपुर आई थीं। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र स्थित एलआईसी कार्यालय के सामने सड़क पार करते समय किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को बिना पोस्टमार्टम कराए गांव ले गए। रेशमा अपने पीछे चार बच्चों को छोड़ गई हैं। मां की असमय मौत से बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि हादसा हुआ था। परिजन बिना किसी कार्रवाई के शव अपने साथ ले गए हैं। फिलहाल कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच कराई जाएगी

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पीएम सूर्य घर योजना पर डीएम सख्त

लोन में देरी नहीं चलेगी तहसील-ब्लॉक स्तर पर लगेंगे विशेष कैंप

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने योजना की समीक्षा करते हुए बैंकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी पात्र लाभार्थी की ऋण फाइल अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहनी चाहिए। साथ ही तहसील और विकासखंड स्तर पर विशेष कैंप लगाकर अधिक से अधिक लोगों का पंजीकरण कराने के निर्देश भी दिए गए।

विकास भवन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जिन बैंकों में ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया धीमी है, वे तत्काल पेंडेंसी समाप्त करें और पात्र आवेदकों को समयबद्ध तरीके से लोन उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी फाइल को बिना कारण लंबे समय तक लंबित रखना स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ तहसील और ब्लॉक स्तर पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग योजना का लाभ लेने के लिए अपना पंजीकरण करा सकें।बैठक में सभी बैंकर्स को निर्देशित किया गया कि यदि किसी वेंडर या आवेदक का ऋण आवेदन अस्वीकृत किया जाता है तो उसका स्पष्ट कारण बताया जाए। साथ ही सभी आवेदकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए और प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना एवं मुख्यमंत्री युवा योजना से संबंधित ऋण आवेदनों का समय पर निस्तारण किया जाए। इस समीक्षा बैठक में जिला विकास अधिकारी दिनेश कुमार यादव, जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी, जिला पूर्ति अधिकारी मनीष सिंह, पीओ नेडा सहित सभी संबंधित बैंक अधिकारी मौजूद रहे।

साइबर अपराधियों की उड़ाई नींद , पुलिस ने पीड़ितों को लौटाए 34 लाख रुपये

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन अलग-अलग मामलों में करीब 34 लाख रुपये की ठगी की रकम पीड़ितों के खातों में वापस कराई है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में साइबर क्राइम थाना टीम ने तकनीकी जांच, ड्डिष्ठ पोर्टल और विभिन्न बैंकिंग संस्थानों के सहयोग से कार्रवाई करते हुए यह सफलता हासिल की।

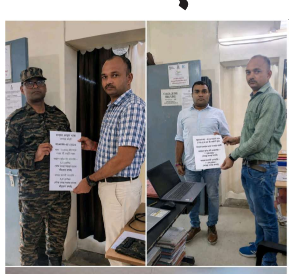

पहले मामले में व्हाट्सएप लिंक के जरिए मोबाइल हैक कर 11.90 लाख रुपये, दूसरे मामले में सेना के नायब सूबेदार के खाते से निकाले गए 5.11 लाख रुपये, जबकि तीसरे मामले में निवेश के नाम पर ठगे गए 17 लाख रुपये पीड़ितों को वापस दिलाए गए। बरेली पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें और ओटीपी, यूपीआई पिन या बैंकिंग जानकारी किसी से साझा न करें। साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

अकराबाद में कॉस्मेटिक कारोबारी से डेढ़ लाख की लूट दिनदहाड़े

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद थाना क्षेत्र में एक कॉस्मेटिक कारोबारी से बाइक सवार दो बदमाशों ने डेढ़ लाख रुपये नकद और मोबाइल फोन लूट लिया। यह घटना गंगीरी पनेठी मार्ग पर शाहगढ़ और कासिमपुर गांवों के बीच रात करीब 8ः30 बजे हुई। पीड़ित ओमवीर कुशवाह, पुत्र गजराज सिंह, ग्राम बठारी खुर्द, थाना गंगीरी, अलीगढ़ के निवासी हैं। वह दुकानों पर कॉस्मेटिक सामान की सप्लाई करते हैं। घटना के समय, वह नानऊ से दुकानदारों से पिछला भुगतान लेकर अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। शाहगढ़ और कासिमपुर के बीच कासगंज रोड पर, बाइक नंबर UP 86AP 3199 पर

सवार दो युवकों ने ओमवीर की बाइक जबरन रुकवाई। उन्होंने ओमवीर के सिर पर हमला किया और उनके थैले में रखे 1 लाख 50 हजार रुपये नकद और मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित की तहरीर के आधार पर स्थानीय पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 314/26 धारा 309(6) बीएनएस के तहत अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस बाइक सवार दोनों बदमाशों की तलाश में जुट गई है और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। उपनिरीक्षक अमित रघुवंशी ने बताया कि अज्ञात लुटेरों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

मिलेट्स कारोबार का सुनहरा मौका ! कृषि विभाग दे रहा सीड मनी और प्रोसेसिंग सेंटर की सुविधा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले के एफपीओ, उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों के लिए अच्छी खबर है। उप कृषि निदेशक ओ.पी. मिश्र ने बताया कि वर्ष 2026-27 के उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत सीड मनी, मिलेट्स प्रोसेसिंग, पैकिंग और विपणन केंद्र स्थापित करने के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक कृषि विभाग के पोर्टल agriculture.up.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। योजना का उद्देश्य श्रीअन्न (मिलेट्स) के उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन को बढ़ावा देकर किसानों और उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाना है।

न कोई बच्चा छूटेगा, न कोई सपना टूटेगा-स्कूल चलो अभियान शुरू

डीएम ने दिलाया हर बच्चे को स्कूल पहुंचाने का संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से कम्पोजिट विद्यालय, जसौली नगर में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, नवाबगंज विधायक डॉ. एम.पी. आर्य और जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और जिलाधिकारी ने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य और सशक्त समाज की सबसे मजबूत नींव है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि डोर-टू-डोर अभियान, जनजागरूकता और सतत निगरानी के जरिए स्कूल से बाहर बच्चों की पहचान कर उनका शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अभिभावकों से अपील की कि बच्चों की ड्रेस और जूते-मोजों के लिए मिलने वाली धनराशि का उपयोग केवल बच्चों की शिक्षा पर ही करें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. विनीता ने बताया कि जनपद में रोको-टोको, स्कूल भेजो अभियान भी चलाया जा रहा है, जिसके तहत स्कूल नहीं जाने वाले बच्चों के अभिभावकों को जागरूक कर उन्हें विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।इस अवसर पर शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

लेट नाइट एक्शन मोड में एसपी सिटी ! सीबीगंज थाने का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एसपी सिटी मानुष पारीक देर रात्रि अचानक थाना सीबीगंज पहुंच गए। एसपी सिटी के औचक निरीक्षण से थाना परिसर में हलचल मच गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना कार्यालय की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए जनसुनवाई, महिला अपराध से जुड़े मामलों, लंबित विवेचनाओं तथा थाना पर संचालित अभिलेखों एवं रजिस्टरों की गहन समीक्षा की।

एसपी सिटी ने थाना कार्यालय,

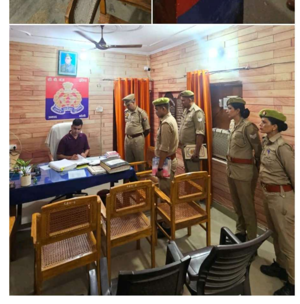

हवालात, कंप्यूटर कक्ष और महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण कर रिकॉर्ड को अद्यतन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान थाना पर तैनात पुलिसकर्मियों की उपस्थिति भी जांची गई। ड्यूटी में सतर्कता, अनुशासन और जनता के साथ बेहतर व्यवहार बनाए रखने के निर्देश देते हुए एसपी सिटी ने कहा कि आम नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

मतदाता सूची मे फर्जी मतदाताओं के नाम शामिल करने पर भड़की सपा

क्यूँ न लिखूँ सच /युसुफ / मुरादाबाद, SIR 2026 में गम्भीर अनियमितता बरतने वाले व डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम शामिल करने वाले बी0एल0ओ0 के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करते हुये मतदाता सूची को संशोधित कराये जाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी को को सौंपा ज्ञापन। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी जिलाध्यक्ष जयवीर यादव के नेतृत्व मे कलेक्ट्रेट पर एकत्र हुए निर्वाचन आयोग के खिलाफ एवं रुद्व क्रक्रिया एवं फर्जी मतदाता बनाये के खिलाफ नारेबाजी की

जिलाध्यक्ष जयवीर सिँह यादव ने प्रदर्शनकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कराये गये स्कृक 2026 में जनपद मुरादाबाद की विधानसभा कां0-25, ठाकुरद्वारा-26, मुरादाबाद देहात-27, मुरादाबाद नगर-28, कुन्दरकी-29 व बिलारी-30 में कार्यरत बी0एल0ओ0 द्वारा मतदाता सूची में गम्भीर अनिमितताएं बरती गयी है तथा एक ही वोटर आई0डी0 नम्बर पर कई मतदाताओं को रजिस्टर्ड करके कई मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित करने का अवैधानिक कार्य किया गया है तथा अपने पद व कर्तव्यों का पूर्ण रूप से दुरूपयोग किया गया है

जो कि बहुत ही गम्भीर आपराधिक कृत्य है जिसके साक्ष्य के रूप में मुरादाबाद जनपद की सभी विधानसभाओं की मतदाता सूचीयों को संलग्न कर अवलोकन हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है जिनके अवलोकन से उपरोक्त गम्भीर अनिमितता स्पष्ट सिद्ध हो रही है। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की मतदाता सूचियों का अपने स्तर से संज्ञान लेते हुये जनपद की जनता को मतदान के अधिकार से वंचित करने वाले सभी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ उचित वैधानिक कार्यवाही कर मतदाता सूचियों को संशोधित करने का कष्ट करें ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने संवैधानिक मतदान के अधिकार से वंचित न हो सके। प्रदर्शन एवं ज्ञापन मे जिलाध्यक्ष जयवीर सिँह यादव, पूर्व विधायक हाजी रिजवान,जिला महासचिव फुरकान अली, वेदप्रकाश सैनी,वसीम कुरैशी, आशकार पाशा,जहाँउज्ज्ञ खान, लाखन सिँह सैनी, अक्षय भटनागर, मोईनुद्दीन,धर्मेन्द्र यादव,प्रेमबाबू बाल्मीकि, राहुल सिँह, विजयवीर यादव जयपाल सैनी, बी. के. सैनी,योगेन्द्र यादव,नरेश शर्मा,केदार सिँह अशोक सैनी,ब्रजलाल जाटव, बालकिशन शर्मा, प्रदीप कुमार,भूरा कुरैशी, नजाकत अली बालकिशन , प्रशांत सैनी अफरोज खान, आदि प्रमुख थे।

कोंच के सप्लाई इंस्पेक्टर मनोज कुमार तिवारी का तबादला, जालौन के सप्लाई इंस्पेक्टर सुशील कुमार को प्रभार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन)। कोंच के सप्लाई इंस्पेक्टर मनोज कुमार तिवारी का स्थानांतरण शासन द्वारा कर दिया गया है शासन ने उन्हें जिला मथुरा भेज दिया है सप्लाई इंस्पेक्टर रहे मनोज कुमार तिवारी के स्थान पर जालौन आपूर्ति कार्यालय के सप्लाई इंस्पेक्टर सुशील कुमार को प्रभारी बनाया गया है बता दे कि मनोज कुमार तिवारी का जनपद जालौन में सेवा का कार्य पूर्ण होने पर शासन द्वारा उन्हें जनपद मथुरा स्थानांतरित कर दिया है सप्लाई इंस्पेक्टर मनोज कुमार तिवारी का कोंच में अभी वह तीसरी बार आये थे उनका कार्य जनता के प्रति कोटेदारो के प्रति और पत्रकारों के प्रति काफी अच्छा रहा है

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का बुलंद संदेश : आर.के. कॉन्वेंट स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बरेली के निर्देश पर शुक्रवार को शशि वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से संजय नगर स्थित आर.के. कॉन्वेंट स्कूल में

सेव गर्ल चाइल्ड (बेटी बचाओ) विषय पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को बालिका सुरक्षा, शिक्षा का अधिकार, लैंगिक समानता, बाल विवाह निषेध और बालिकाओं से जुड़े महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। पीएलबी. सपना द्विवेदी व वंदना सिंह ने भी अपनी सहभागिता निभाई । कार्यक्रम में शशि वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्ष अधिवक्ता राशी पारसरी, प्रधानाचार्या पिंकल यादव, ज्योति सक्सेना, छत्रपाल सिंह, एस.के. रॉय, रीति भूटानी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट की समाधान समारोह-पहल : 21 से 23 अगस्त तक लगेगी विशेष लोक अदालत

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। अगर आपका कोई मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, तो अब उसे आपसी सहमति से सुलझाने का

सुनहरा अवसर मिलने जा रहा है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय की पहल पर समाधान समारोह-2026 के तहत 21, 22 और 23 अगस्त को नई दिल्ली स्थित सुप्रीम कोर्ट परिसर में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य वर्षों से लंबित मामलों का त्वरित, सरल और सौहार्दपूर्ण निस्तारण कर लोगों को शीघ्र न्याय दिलाना है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बरेली की सचिव जया प्रियदर्शिनी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट से प्राप्त सूची के आधार पर बरेली जनपद के 37 लंबित मामलों को इस विशेष लोक अदालत के लिए चिन्हित किया गया है। संबंधित पक्षकारों को नोटिस भेजे जा रहे हैं, ताकि वे निर्धारित तिथियों पर उपस्थित होकर आपसी सहमति से अपने विवाद का समाधान करा सकें।

बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों पर लंबित मामलों का बोझ कम करना और पक्षकारों को बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है। यदि किसी व्यक्ति का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और वह इस योजना के दायरे में आता है, तो वह समझौते के आधार पर निस्तारण के लिए ऑनलाइन आवेदन भी कर सकता है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर "Samadhan Samaroh 2026" या लोक अदालत से संबंधित लिंक के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

स्पर्श पटेल ने NSD में बनाई जगह, यूथ वेलफेयर ने किया भव्य सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । युवा रंगकर्मी स्पर्श पटेल का नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (NSD), नई दिल्ली में चयन होने पर यूथ वेलफेयर संस्था ने उनका भव्य सम्मान

किया। संस्था अध्यक्ष गोविंद सैनी ने इसे बरेली के रंगमंच और युवा कलाकारों के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि स्पर्श की मेहनत और समर्पण सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है। सम्मान समारोह में स्पर्श पटेल को पगड़ी, शॉल, पटका, प्रतीक चिन्ह, फूलमाला, महात्मा ज्योतिबा फुले व माता सावित्रीबाई फुले का चित्र तथा प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। साथ ही उनके माता-पिता विजय बाबू कनौजिया और विनीता पटेल को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संस्था के उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी पवन कालरा ने कहा कि यूथ वेलफेयर भविष्य में भी बरेली का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने वाले कलाकारों का सम्मान करती रहेगी। इस अवसर पर जगदीश शाक्य, ओमपाल प्रजापति और शिवम प्रजापति सहित कई लोग उपस्थित रहे।

बिना लाइसेंस चल रहा था वाटर पार्क, 9 वर्षीय बच्चे की मौत; पुलिस ने संचालक किया गिरफ्तार

खंदौली के अवैध ब्लू व्हेल वाटर पार्क में 9 वर्षीय अवी की डूबकर मौत के बाद पुलिस ने संचालक को गिरफ्तार कर पार्क को सील कर दिया। जांच में लाइफगार्ड, एनओसी और सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी सामने आने पर प्रशासन ने क्षेत्र के अन्य वाटर पार्कों की भी जांच शुरू कर दी है। आगरा के खंदौली के गांव पुरालोधी में अवैध रूप से संचालित ब्लू व्हेल वाटर पार्क में नौ वर्षीय बालक अवी की डूबकर मौत के मामले में थाना खंदौली पुलिस ने बृहस्पतिवार को मुख्य आरोपी केशव को गिरफ्तार कर लिया। मामले में गैर इरादतन हत्या में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रशासन की टीम ने वाटर पार्क को सील कर दिया है। उसमें किसी भी गतिविधि पर रोक लगा दी है। बिजली कनेक्शन भी काट दिया गया है। कार्रवाई के बाद आसपास के इलाके में बने वाटर पार्कों पर ताले लटक गए हैं। छोटा गुडाह निवासी ऑटो चालक राकेश का बेटा अवी बुधवार को चचेरे भाई और दोस्तों के साथ पुरालोधी गांव स्थित ब्लू व्हेल वाटर पार्क में नहाने गया था। अचानक गहरे पानी में जाने की वजह से डूब गया था। घटना के बाद संचालक केशव भाग गया था। पुलिस ने देर रात मृतक के पिता की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई स्थान पर दबिश दी गई। डीसीपी पश्चिमी जोन ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वाटर पार्क अवैध रूप से संचालित था। किसी विभाग की अनुमति नहीं थी। इस पर गैर इरादतन हत्या में आरोपी को जेल भेजा जाएगा। इसी वाटर पार्क में 19 जून 2025 को एक बच्चे की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो चुकी है। मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। बिजली काटी, क्षेत्र में भी चेकिंग- बृहस्पतिवार को एसडीएम सुमित कुमार के निर्देश पर नायब तहसीलदार हरीलाल ने ब्लू व्हेल वाटर पार्क को सील कर दिया। परिसर की बिजली आपूर्ति भी बंद करा दी गई। एसडीएम एत्मादपुर ने बताया कि क्षेत्र में संचालित सभी वाटर पार्कों की जांच कराई जा रही है। जो मानकों पर नहीं होंगे, उन्हें बंद कराया जाएगा। टीम चेकिंग कर रही है। मुढ़ी चौकी क्षेत्र में 12 से ज्यादा वाटरपार्क हैं, जो बिना लाइसेंस और सुरक्षा मानकों के संचालित हो रहे थे। टीम की भनक लगते ही कई संचालक अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर ताला लगाकर भाग गए।पूल में जमी थी काई, लाइफ गार्ड भी नहीं डीसीपी आदित्य सिंह ने बताया कि पुलिस की जांच में ब्लू व्हेल वाटर पार्क में कई कमियां सामने आई हैं। जिस स्विमिंग पूल में बालक डूबा, उसमें काई जमी हुई थी। पानी भी गंदा था। उसकी सफाई कई दिन से नहीं हुई थी। इसके साथ ही कोई लाइफ गार्ड नहीं था। अगर बच्चे पानी में नहाने जा रहे हैं तो उनके सुरक्षा के इंतजाम अलग से होने चाहिए। प्रशासन से वाटर पार्क के संचालन के लिए किसी तरह की एनओसी भी नहीं ली गई थी। मानकों की अनदेखी की जा रही थी। इस वजह से ही बच्चे की जान गई।

जल संकट से जूझता छावनी क्षेत्र, पानी खरीदने को मजबूर हजारों परिवार; जर्जर व्यवस्था ने बढ़ाई मुश्किलें

आगरा छावनी परिषद क्षेत्र में तीन पानी की टंकियां ध्वस्त होने और पाइपलाइन शिफ्टिंग के कारण चार दिनों से जलापूर्ति बाधित है, जिससे करीब 60 हजार लोग पेयजल संकट झेल रहे हैं। प्रशासन ने शाम तक आंशिक जलापूर्ति बहाल करने का दावा किया है, जबकि क्षेत्र में वैकल्पिक व्यवस्था न होने से लोगों की परेशानी बनी हुई है।आगरा के छावनी परिषद क्षेत्र में तीन पानी की टंकियां तोड़े जाने के बाद पेयजल संकट गहरा गया है। चार दिनों से जलापूर्ति बाधित होने से लोगों को पीने का पानी खरीदना पड़ रहा है। पानी नहीं मिलने से लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। नौलक्खा निवासी खुशी ने बताया कि चार दिनों से पानी नहीं आने से परेशानी हो रही है। शहजादी मंडी निवासी सुधीर वर्मा ने कहा कि लगातार शिकायत करने के बावजूद जलापूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। छावनी परिषद के निवर्तमान उपाध्यक्ष डॉ. पंकज महेंद्रू ने बताया कि पिछले तीन-चार दिनों से पानी नहीं आने की शिकायतें लगातार उनके पास पहुंच रही हैं।इस संबंध में उन्होंने परिषद के अधिकारियों से बात की है। अधिकारियों ने जल्द समस्या के समाधान का भरोसा दिया है लेकिन क्षेत्र में पानी का संकट बना हुआ है। वहीं छावनी परिषद के जलापूर्ति के प्रभारी सत्येंद्र सिंह ने बताया पानी कि जलकल विभाग ने बिजलीघर पर पाइपलाइन बंद कर दी थी, उसे शिफ्ट किया गया था इसकी वजह से आपूर्ति प्रभावित थी। लाइन सही हो गई है। कुछ क्षेत्र में जलापूर्ति शाम तक बहाल कर दी जाएगी। बताया कि जो पानी की टंकी तोड़ी गई थी, उससे टोरंट की केबल भी क्षतिग्रस्त हो गई थी।जल निगम ने नाले से अपनी पाइपलाइन शिफ्ट की थी। उन्होंने आपूर्ति बंद कर दिया था। बता दें कि छावनी परिषद में 40 वर्ष पहले 5 वार्डों में टंकियां बनाई गई थीं। इस समय तीन वार्ड में टंकी जर्जर होने के कारण उनको ध्वस्त कर दिया गया है। इसके लिए जलापूर्ति के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की। छावनी परिषद के जलापूर्ति विभाग के इंचार्ज ने बताया कि मौजूदा समय में 6 हजार लीटर का एक पानी का टैंकर हैं, जिससे क्षेत्र में सप्लाई की जाती है। वाटर रिजर्वायर भी पड़े हैं जर्जर- छावनी परिषद ने पानी की टंकियों के पास वाटर रिजर्वायर भी तैयार कराए थे वे भी जर्जर हैं, उनमें स्टोर किया गया पानी बहकर बर्बाद हो रहा है। मोहम्मद इसरार खान ने बताया कि शहजादी मंडी में के पूरे क्षेत्र में हैंडपंप भी नहीं है।

गर्भवती महिलाओं के लिए राहत की खबर, लेडी लॉयल में अल्ट्रासाउंड सेवा हुई आसान

आगरा के लेडी लॉयल अस्पताल में अब गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड के लिए महीनेभर इंतजार नहीं करना पड़ेगा। रेडियोलॉजिस्ट की ड्यूटी अन्य विभागों से हटाकर पूरे सप्ताह अस्पताल में लगाने से जांच समय पर हो सकेगी।आगरा के लेडी लॉयल अस्पताल में पिछले काफी समय से रेडियोलॉजिस्ट और गाइनेकोलॉजिस्ट की कमी से जूझ रही गर्भवती महिलाओं के लिए राहत भरी खबर है। अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट की कमी के कारण अब तक गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड के लिए एक-एक महीने बाद की तारीख दी जाती थी। अब महिलाओं को इतना लंबा इंतजार नहीं करना होगा, रेडियोलॉजिस्ट की रोजाना ड्यूटी लगने से जल्द उनका अल्ट्रासाउंड हो सकेगा। अस्पताल में तैनात रेडियोलॉजिस्ट की ड्यूटी तीन दिन जिला अस्पताल व अन्य विभागों में लगा दी जाती थी। जिससे वह केवल तीन दिन ही लेडी लॉयल में सेवाएं दे पाते थे। अस्पताल की अधीक्षिका डॉ. पुष्पलता ने बताया कि अब इस व्यवस्था को बदल दिया गया है। रेडियोलॉजिस्ट की अन्य विभागों में लगने वाली तीन दिन की ड्यूटी को निरस्त कर दिया गया है। अब वह पूरे 6 दिन लेडी लॉयल अस्पताल में ही सेवाएं देंगी, जिससे महिलाओं को समय पर अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि पूर्व अधीक्षिका ने भी स्टाफ की कमी को लेकर प्रशासन को कई बार पत्र दिए थे। अब रेडियोलॉजिस्ट की पूरे सप्ताह उपलब्धता से राहत मिलेगी और जल्द ही गाइनेकोलॉजिस्ट के रिक्त पदों पर भी भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

अस्पताल में गंदगी और खराब फायर सिस्टम पर महिला आयोग सख्त, सुधार के दिए आदेश

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने एत्मादपुर सीएचसी के निरीक्षण में फायर सेफ्टी और सफाई व्यवस्था में गंभीर खामियां मिलने पर नाराजगी जताई। वहीं महिला संरक्षण गृह में दो साल से रह रही औरैया की महिला को उसके परिवार से मिलाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने बृहस्पतिवार को एत्मादपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और यमुनापार के कालिंदी विहार स्थित महिला संरक्षण गृह का निरीक्षण किया। अस्पताल में सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई। आग बुझाने के इंतजाम भी खराब मिले। लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण अग्निकांड के बावजूद एत्मादपुर सीएचसी प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिया है। निरीक्षण में पाया गया कि अस्पताल में लगे फायर सेफ्टी उपकरण केवल दिखावे के लिए टंगे हैं और वे चालू हालत में नहीं हैं। इसके अलावा परिसर में जगह-जगह गंदगी मिली। अस्पताल की बदहाल सफाई व्यवस्था की मरीज और तीमारदारों ने भी शिकायतें कीं। अस्पताल में खामियां मिलने पर अध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए सुधार के निर्देश दिए। इसके बाद राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष महिला संरक्षण गृह पहुंचीं। औरैया की रहने वाली एक महिला पिछले दो साल से अपनों की राह देख रही है, लेकिन उसका परिवार उसे लेने नहीं आ रहा है। भावुक कर देने वाले इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अध्यक्ष ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। कहा कि महिला के परिवार की पूरी जानकारी निकाली जाए। आयोग खुद उनके परिजन से सीधे बात करेगा और यह पता लगाएगा कि वे आखिर किस वजह से अपनी बेटी को घर वापस नहीं ले जा रहे हैं। महिला को हर हाल में उसका हक और परिवार मिलना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

खोजी कुत्ते के संकेतों के आधार पर किसी को नहीं ठहराया जा सकता दोषी, उम्रकैद की सजा रद्द

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल स्निफर डॉग (खोजी कुत्ते) के संकेतों के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। डॉग ट्रैकिंग को साक्ष्य के रूप में पेश किया जाता है तो ट्रैकिंग पंचनामा और डॉग हैंडलर की गवाही जरूरी है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल स्निफर डॉग (खोजी कुत्ते) के संकेतों के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। डॉग ट्रैकिंग को साक्ष्य के रूप में पेश किया जाता है तो ट्रैकिंग पंचनामा और डॉग हैंडलर की गवाही जरूरी है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा रद्द करते हुए आरोपियों को बरी कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर व न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने दिया है। मामला आगरा के थाना कागरौल क्षेत्र का है। 14 अक्तूबर 1998 की रात सुखपाल उर्फ मुन्ना घर से निकला था। अगले दिन उसका शव गांव के पास एक खेत में मिला। पुलिस स्निफर डॉग के साथ मौके पर पहुंची। उसके संकेतों के आधार पर पुलिस ने अपनी रिपोर्ट तैयार की। इसके बाद पुनर्विवेचना के बाद सीबीसीआईडी ने भंवर सिंह, बेनीराम, ओमप्रकाश और कप्तान सिंह के खिलाफ हत्या का आरोपपत्र दाखिल किया।ट्रायल कोर्ट ने वर्ष 2020 में इन चारों को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आरोपियों ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद पाया कि अभियोजन का पूरा मामला विरोधाभासों से भरा हुआ है। एक ओर एफआईआर में तीन अलग लोगों को आरोपी बनाया गया। वहीं, सीबीसीआईडी की जांच में चार अन्य लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया।अधिकांश गवाह नहीं थे प्रत्यक्षदर्शी- अधिकांश गवाह प्रत्यक्षदर्शी नहीं थे। उनके बयान गांव में फैली अफवाहों पर आधारित थे। अदालत ने कहा कि अभियोजन स्पष्ट नहीं कर पाया कि वास्तविक आरोपी कौन है। साथ ही कोर्ट ने स्निफर डॉग से जुड़े साक्ष्यों को भी मानने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि स्निफर डॉग जांच एजेंसियों के लिए जांच में सहायक हो सकते हैं लेकिन उनकी गतिविधियों को किसी व्यक्ति की दोषसिद्धि का स्वतंत्र और निर्णायक आधार नहीं बनाया जा सकता।

प्रधानों के कार्यकाल खत्म होने के बाद हुए जो भुगतान, उनकी होगी जांच; डीएम ने दिए ये निर्देश

कार्यकाल खत्म होने के बाद मनमाना भुगतान करने वाली पंचायतों की होगी जांच, 26 मई से 29 जून के बीच 15वें और 5वें राज्य वित्त से हुए भुगतान रडार पर।ग्राम पंचायतों में प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने और उनके प्रशासक बनने के बाद हुए मनमाने भुगतानों और गड़बड़ियों की शिकायतों पर जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। डीएम ने इस साल 26 मई से 29 जून के बीच केंद्रीय और राज्य वित्त आयोग के फंड से सर्वाधिक भुगतान करने वाली ग्राम पंचायतों और

प्रधानों के कार्यों की जांच के निर्देश दिए हैं। जांच के लिए डीएम ने जिला स्तरीय अधिकारी और संबंधित खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) की एक संयुक्त टीम गठित करने के आदेश दिए हैं। पूर्व प्रधानों (वर्तमान प्रशासकों) को उनके पिछले कार्यकाल के दौरान स्वीकृत, निर्माणाधीन या पूर्ण हो चुके कार्यों का भुगतान पूर्व की भांति करने की छूट दी गई थी। इसकी आड़ में जमकर फर्जीवाड़ा करने के आरोप हैं। शासन तक शिकायतें पहुंचने के बाद डीएम ने 26 मई से 29 जून के बीच कई पंचायतों में 15वें वित्त और 5वें राज्य वित्त से बड़े पैमाने पर हुए भुगतानों पर जांच बैठाई है।डीएम मनीष बंसल ने कहा है कि जिन ग्राम पंचायतों में सबसे ज्यादा रकम आहरित की गई है, उनके कार्यों की अब बारीकी से जांच होगी। गठित संयुक्त टीम मुख्य रूप से कई बिंदुओं पर जांच करेगी। कार्य का विधिवत अनुमोदन लिया गया था या नहीं। वित्तीय और तकनीकी स्वीकृति के मानक पूरे किए गए या नहीं। फाइलों में दर्ज कार्य धरातल पर वास्तव में हुआ है या नहीं। प्रशासन के इस कदम से जिले की उन ग्राम पंचायतों में हड़कंप मच गया है, जिन्होंने प्रशासक काल के इस एक महीने में करोड़ों के बिल पास कराए हैं।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
04 July 2026

नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कांशीराम कालोनी का निरीक्षण किया

बेहतर साफ सफाई के निर्देश दिये पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन)। आज गुरुवार को नगर पालिका परिषद कोंच के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने नगर के कांशी राम कालोनी का निरीक्षण किया पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने सबसे पहले कांशीराम कालोनी के निवासियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली और फिर उनके साथ कांशीराम कालोनी के संपूर्ण क्षेत्र का दौरा किया उन्होंने सफाई कर्मियों को निर्देश दिये है कि कांशी राम कालोनी के रहने वाले लोगों को किसी तरह की कोई समस्या न होने दे उन्होंने कहा

कि क्षेत्र में स्वच्छ और स्वस्थ माहौल बनाने में सहयोग करे उन्होंने कहा कि स्वच्छ नगर स्वस्थ नागरिक हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि सफाई कर्मी नियमित रूप से प्रतिदिन साफ सफाई करें उन्होंने कहा कि यह नगर आपका है इसे सुंदर और स्वच्छ बनाने में नगर पालिका का सहयोग करें उन्होंने नगर वासियों से अपील की है कि सड़क पर कूड़ा न डाले न ही नाली में डाले पालिका की कूड़ा गाड़ी में ही अपने घरों का कूड़ा डाले उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी इस अवसर पर अंकित यादव चिन्टु शांडिल्य अमित कुमार मंगल सिंह प्रदीप कुमार सतीश बिक्की सुनील कुमार सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में मरीजों की जान से खिलवाड़, वार्ड बॉय कर रहे हैं एक्स-रे

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ। जिला मलखान सिंह अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था के नाम पर मज़ाक चल रहा है। अस्पताल प्रशासन की लापरवाही का आलम यह है

कि अब मरीजों के जीवन की डोर ट्रेंड डॉक्टरों के हाथ में नहीं, बल्कि वार्ड बॉय के हाथों में है। इस पूरे प्रकरण की सबसे शर्मनाक कड़ी अस्पताल के सीएमएस डॉ. जगबीर वर्मा हैं। जब उनसे अस्पताल में व्याप्त इस भारी अनियमितता पर सवाल किया गया, तो उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय पत्रकार से बदसलूकी की। उन्होंने पूरी बेशर्मी से यह झूठ बोला कि मैं खुद एक्स-रे कर रहा हूं। सवाल यह है कि एक जिम्मेदार पद पर बैठा व्यक्ति इतना बड़ा झूठ कैसे बोल सकता है, जबकि वीडियो साक्ष्य गवाही दे रहे हैं कि एक्स-रे कक्ष में वार्ड बॉय तैनात हैं। क्या सीएमएस की मौजूदगी का दावा केवल अपनी खाल बचाने का एक घटिया प्रयास है?

अस्पताल के एक्स-रे कक्ष में वार्ड बॉय %शक्ति% और अंकुर द्वारा मरीजों का एक्स-रे किया जाना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह एक संगीन अपराध है। बिना तकनीकी योग्यता के ये दोनों कर्मचारी सीधे मरीजों की जान से खेल रहे हैं। यदि किसी मरीज की रिपोर्ट गलत आती है, तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या प्रशासन की जान पर खतरा गर्भवती महिलाओं ने इन वार्ड बॉय को मरीजों के जीवन के साथ जुआ खेलने का लाइसेंस दे रखा है? एक्स-रे जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में रेडिएशन का खतरा अत्यधिक होता है, जिसे केवल प्रशिक्षित विशेषज्ञ ही नियंत्रित कर सकते हैं। वार्ड बॉय द्वारा की जा रही लापरवाही से अस्पताल में रेडिएशन का स्तर अनियंत्रित हो गया है। वहां मौजूद मरीजों, उनके परिजनों और विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं के लिए यह एक साइलेंट किलर का काम कर रहा है। यह लापरवाही गर्भस्थ शिशु और मां के स्वास्थ्य के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। क्या अलीगढ़ का जिला प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है? सीएमएस का गलत लहजा और वार्ड बॉय का बेखौफ अंदाज यह साबित करता है कि अस्पताल में भ्रष्टाचार और लापरवाही की जड़ें बहुत गहरी हैं।

बस खराब होने पर लगा रहे थे धक्का, पीछे से आए कंटेनर ने मारी टक्कर, नवाबगंज के तीन लोगों की मौत

एटा के बागवाला थाना क्षेत्र में खराब हुई रोडवेज बस को धक्का लगा रहे तीन यात्रियों की कंटेनर की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में कई अन्य यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।दिल्ली जा रही रोडवेज बस एटा थाना बागवाला के गांव कीलरमऊ के पास रात 11 बजे में खराब हो गई थी। उसे स्टार्ट करने के लिए 10 यात्री बस में पीछे से धक्का लगा रहे थे। तभी पीछे से कंटेनर ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। इससे नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव निवासी सुखराम, दौलतपुर निवासी राजेश व उम्मरपुर निवासी शैलेश की मौत हुई है। इसके अलावा कई लोग घायल हो गए। उन्हें वहां के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना आने से घरों में चीख पुकार मच गई है।

एक पेड़ मां के नाम का दिया संदेश, ग्रीन चौपाल में पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / वन महोत्सव के तृतीय दिवस पर ग्राम रिनिया में आयोजित ग्रीन चौपाल में वन संरक्षक ने ग्रामीणों से अधिकाधिक वृक्षारोपण की अपील की वन महोत्सव के तृतीय दिवस के अवसर पर जनपद के विकास खंड जालौन अंतर्गत ग्राम रिनिया में ग्रीन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बुंदेलखंड वृत्त, उत्तर प्रदेश झांसी के वन संरक्षक एवं क्षेत्रीय निदेशक महावीर कौजालगी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों, किसानों एवं जनप्रतिनिधियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। ग्रीन चौपाल को संबोधित करते हुए वन संरक्षक महावीर कौजालगी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से अपील की कि अपने आसपास किसी भी रिक्त अथवा खाली स्थान का चयन कर इस वर्ष एक पेड़ मां के नाम

अभियान के अंतर्गत कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसके संरक्षण का भी संकल्प लें। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण, शुद्ध वायु और बेहतर भविष्य प्रदान करेगा।उन्होंने ग्रामीणों से पौधारोपण को जनआंदोलन का स्वरूप देने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का आग्रह किया। साथ ही पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण पर भी विशेष बल दिया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह ने कहा कि वन महोत्सव का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखकर हरित आवरण को बढ़ाना है। सभी विभागों एवं आमजन की सहभागिता से ही पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य सफल होगा। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप, उपायुक्त श्रम एवं रोजगार रामेन्द्र सिंह, खंड विकास अधिकारी जालौन प्रशांत कुमार, ग्राम प्रधान रिनिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, ग्रामीण एवं कृषक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं जनभागीदारी के संदेश के साथ वृक्षारोपण अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प भी लिया गया।

गैंगस्टर की 29.71 लाख की अवैध संपत्ति कुर्क: उन्नाव पुलिस ने फर्रुखाबाद में की बड़ी कार्रवाई, आरोपी पर 16 मुकदमे दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद में उन्नाव पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के एक अभियुक्त की करीब 29 लाख 71 हजार 380 रुपये मूल्य की अवैध रूप से अर्जित अचल संपत्ति को कुर्क किया है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी के आदेश और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में गैंगस्टर अधिनियम की धारा 14(1) के तहत की गई।

जिस अभियुक्त की संपत्ति कुर्क की गई है, उसकी पहचान रीतेश कुमार भारद्वाज उर्फ सचिन के रूप में हुई है। वह फर्रुखाबाद जनपद के शमसाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला दलमीर खां का निवासी है।

आरोप है कि अभियुक्त ने एक संगठित गिरोह बनाकर समाज विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहते हुए विभिन्न आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया और उनसे अवैध धन अर्जित किया। प्रभारी निरीक्षक गंगाघाट की रिपोर्ट के अनुसार, रीतेश कुमार भारद्वाज थाना दही में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमा संख्या 90/2025 में नामजद अभियुक्त है। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि अभियुक्त ने अपनी आपराधिक गतिविधियों से कमाए गए धन से फर्रुखाबाद जिले के ग्राम बरौना में यह अचल संपत्ति खरीदी थी।

गुरुवार को जिलाधिकारी उन्नाव के आदेश का पालन करते हुए राजस्व विभाग की टीम और गंगाघाट थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से फर्रुखाबाद पहुंचकर कार्रवाई की।

उन्होंने ग्राम बरौना, तहसील सदर स्थित गाटा संख्या 310 की 133.17 वर्गमीटर (0.041 हेक्टेयर) भूमि को कुर्क किया।

इस संपत्ति का अनुमानित मूल्य 29 लाख 71 हजार 380 रुपये बताया गया है। कुर्की की कार्रवाई के दौरान सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं और संपत्ति पर जब्ती संबंधी नोटिस भी चस्पा किया गया।

पुलिस के अनुसार, रीतेश कुमार भारद्वाज उर्फ सचिन के खिलाफ उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में गंभीर धाराओं में कुल 16 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें धोखाधड़ी, लूट, चोरी, हत्या के प्रयास, शस्त्र अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट और गैंगस्टर एक्ट जैसे विभिन्न मामले शामिल हैं। ये मुकदमे फर्रुखाबाद, हरदोई, लखनऊ, अमेठी, सुल्तानपुर और उन्नाव के थानों में दर्ज हैं।

उन्नाव पुलिस ने बताया है कि अपराध से अर्जित संपत्ति के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार चलाया जा रहा है। समाज विरोधी गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करते हुए उनकी अवैध संपत्तियों को जब्त किया जाएगा, ताकि अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

डीएम-एसपी ने परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया: यूपीटीईटी व्यवस्थाओं का निरीक्षण, सजगता से परीक्षा कराने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद में उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) के मद्देनजर जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर और पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने गुरुवार को परीक्षा केंद्रों का संयुक्त निरीक्षण साढ़े तीन बजे किया।

जिले में कुल 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने फतेहगढ़ स्थित राजकीय बालिका इंटर

कॉलेज और राजकीय बालक इंटर कॉलेज का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा ड्यूटी में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूरी जिम्मेदारी, निष्पक्षता और सजगता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से परीक्षा कक्षों, सीसीटीवी कैमरों, कंट्रोल रूम और स्ट्रांग रूम का गहन निरीक्षण किया।

सभी केंद्रों पर सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था संतोषजनक पाई गई।

इसके साथ ही, सीसीटीवी कैमरे भी सुचारू रूप से कार्य करते मिले।

जनपद प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा सभी परीक्षाओं को सकुशल, शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

परीक्षा प्रक्रिया पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिसमें आगामी उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा-2025 भी शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

टीईटी परीक्षा में 13 मुन्नाभाई पकड़े गए, आगरा में मोबाइल से नकल करते हुए एक परीक्षार्थी गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) में शुक्रवार को प्रथम पाली में उत्तर प्रदेश में परीक्षार्थियों की उपस्थिति 92.4 फीसदी रही। इस दौरान दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते हुए 13 मुन्नाभाई पकड़ लिए गए। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) में शुक्रवार को प्रथम पाली में उत्तर प्रदेश में परीक्षार्थियों की उपस्थिति 92.4 फीसदी रही। इस दौरान दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते हुए 13 मुन्नाभाई पकड़ लिए गए। वहीं आगरा के एक केंद्र पर मोबाइल से नकल करते एक नकलची परीक्षार्थी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) के अनुसार प्रथम पाली में सिद्धार्थनगर, बस्ती, मथुरा, अमेठी, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर नगर, गोंडा, बदायूं, अलीगढ़ और उन्नाव में दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहे मुन्नाभाई पकड़े गए हैं। इसी तरह आगरा के एक परीक्षा केंद्र पर एक परीक्षार्थी मोबाइल से नकल करते हुए पकड़ लिया गया। सभी के खिलाफ नियानुसार कार्रवाई की जा रही है।

युवक को सांप ने काट लिया युवक हुआ घायल

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन) कोतवाली के ग्राम लौना में दिन बुधवार की रात्रि को गांव के ही दिलीप पुत्र संतराम को उस समय ज़हरीले सांप काट लिया जब वह कारण घर में ही था रात होने के कारण अंधेरा था सांप के काटे जाने के बाद युवक ने तेज आवाज लगाई तो परिजन आ गए और देखा कि सांप काटे जाने के बाद युवक की हालत खराब होने लगी और वह अचेत होने लगा हुआ उसके परिवारीजन झाड़ फूँक कराने के लिये के बाबाओ को बुलाने लगे और हालत खराब होने पर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जहां युवक का उपचार किया जा रहा था।

थाना कैलिया पुलिस ने लिखा मुकदमा

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन)। थाना कैलिया थाने में तहरीर देते हुये वादी बृजराज सिंह पुत्र भगवत सिंह निवासी ग्राम रतनपुरा लहार थाना कैलिया ने बताया है कि घटना दिनांक 27 जून रतन पुरा लहार गांव की है तभी शत्रुघ्न सिंह पुत्र हुकुम सिंह निवासी ग्राम हिंगुटा थाना कैलिया ने भूमि संख्या 21/2 रकबा 0405 हेक्टेयर पर राजस्व टीम द्वारा पैमाइश कर पिलर लगवाये गये जिनको प्रति वादी द्वारा उखाड़ कर फेंक दिया जिससे सीमांकन नष्ट हो गया एवं मूँग की खड़ी फसल नुकसान हो गई मौके पर प्रतिवादी को रोका तो वादी के साथ गाली गलौज की और जान से मारने की धमकी दी है पुलिस ने इस पर मुकदमा धारा 329 326 ई 352 351(2) 324(4) बी एन एस में दर्ज कर लिया है।

पूरी ट्रैफिक व्यवस्था बंद कर दूंगा-ट्रांसपोर्ट कर्मचारी की धमकी कैमरे में हुई कैद

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ थाना गांधी पार्क क्षेत्र स्थित गांधी पार्क चौराहे पर ट्रांसपोर्ट कर्मचारियों की कथित दबंगई का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में एक ट्रांसपोर्ट कर्मचारी ट्रैफिक पुलिसकर्मी से बहस करता और कथित तौर पर उसे धमकाता दिखाई दे रहा है। वायरल वीडियो में ट्रांसपोर्ट कर्मचारी कथित रूप से पूरे ट्रैफिक सिस्टम को बंद कराने की धमकी देता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर ट्रैफिक पुलिस और ट्रांसपोर्ट कर्मचारी के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद मौके पर काफी देर तक कहासुनी होती रही। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और घटना को लेकर पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मामले को लेकर स्थानीय लोगों में भी चर्चा का माहौल है। अब सभी की नजर पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Symptoms of Dengue Fever: If you notice these 15 symptoms during the rainy season, be alert immediately.

The risk of contracting dengue increases significantly during the rainy season. We will tell you its symptoms so you don't delay in recognizing them. The rainy season also brings with it the risk of many infectious diseases. Dengue is one of the most serious, spread by the bite of the Aedes aegypti mosquito. Every year, during the monsoon season, dengue cases increase because waterlogging increases mosquito breeding. Initially, dengue symptoms may resemble a common viral fever, but if not identified and treated promptly, the disease can become serious. Therefore, it is important not to ignore the early signs of dengue. Let's explore the main symptoms of dengue, preventive measures, and what to pay special attention to. Key symptoms of dengue include: high fever (up to 104°F), severe pain behind the eyes, headache and dizziness, severe body and joint pain, muscle aches, skin rash, nausea and vomiting, loss of appetite, extreme weakness and fatigue, abdominal pain, bleeding from the nose or gums (in severe cases), rapid decrease in platelets, difficulty breathing (in severe cases), persistent vomiting, restlessness, and excessive sweating. Preventive measures for dengue: Avoid water accumulation around the house. Regularly change the water in coolers, pots, and tanks. Wear full-sleeved clothing. Use mosquito nets and mosquito repellent. Take special care in the morning and evening. Maintain cleanliness in the house. If you have a high fever, consult a doctor immediately. Do not take pain medication without a doctor's advice. Drink plenty of water and fluids. Rest and periodically check your platelet count. When should you consult a doctor immediately? There are some symptoms of dengue that should never be ignored. If you experience high fever, frequent vomiting, persistent or severe abdominal pain, difficulty breathing, bleeding from the nose or gums, blood in the urine or stool, extreme weakness or fainting, or a rapid decrease in platelets along with red rashes on the body, contact the nearest hospital or doctor immediately. Timely diagnosis and proper treatment can prevent serious complications of dengue, such as severe dengue and dengue shock syndrome. Therefore, do not take any serious symptoms lightly and seek treatment only as advised by a doctor.

PF Interest: Will interest payments start arriving in your PF account from today? Here's how to check if you've received them.

If you're a PF account holder, you're obviously waiting for your PF interest. Let's find out when you can expect to receive it. A fixed amount is deducted from PF account holders' monthly salaries and deposited into their PF accounts. The EPFO ??then pays annual interest on this deposit. This time, the government has fixed the interest rate for the year 2025-26, which has left everyone waiting to see when their PF interest will be credited. Let's find out when you can expect to receive interest... When will the interest payments start? If media reports are to be believed, interest payments may arrive in PF accounts starting today, July 3, 2026. The process of depositing interest into PF account holders' PF accounts will be completed within the next 15 days. How much interest will you receive? The government has decided to provide interest at the rate of 8.25% for the year 2025-26. The interest is calculated based on your total PF balance at the end of each month and then credited to the PF accounts of every PF account holder in one go. Has the PF interest money been credited to your account? Step 1: If you want to check whether the interest money has been credited to your PF account, you can check it from home. To do this, first visit the official website of the passbook at assbook.epfindia.gov.in. Then you need to login by entering your UAN number, password, and captcha. Step 2: The PF passbook home page will now appear. Here, click on the passbook section. Select your latest company's member ID. Then, you can check your passbook. After this, you can check how much PF interest money has been credited or not.

Health Tests for Women: These are the health tests women should definitely get in their 30s, 40s, and 50s

After a certain age, it becomes increasingly important to take care of their body. Here, we'll provide a list of tests women should get done after the age of 30, 40s, and 50s. With advancing age, women's bodies undergo various hormonal and physical changes. Metabolism slows down after the age of 30, the risk of many health problems increases after 40, and by the age of 50, menopause causes significant changes in the body. Therefore, maintaining a healthy diet and regular exercise are not enough; regular health checkups are also crucial. Regular health checkups can detect many serious diseases in their early stages, allowing for timely treatment. In this article, we will tell you which health tests women should get done after the age of 30, 40, and 50, and how these tests help them maintain good health. Important health tests for women after the age of 30: 1. Blood pressure - Get tested at least once a year to detect high blood pressure early. 2. Blood sugar test - Get a fasting blood sugar or HbA1c test to determine the risk of diabetes. 3. Thyroid test (TSH): Thyroid problems are common in women. Get tested if you experience symptoms like fatigue, weight gain, or loss. 4. CBC and iron profile: These tests are important for identifying anemia. 5. Pap smear test: Get it done regularly as per doctor's advice for early detection of cervical cancer. Important health tests for women after the age of 40: 1. Mammography - Get it done as per doctor's advice for early detection of breast cancer. 2. Lipid profile: Assess your risk of heart disease by getting your cholesterol checked. 3. Liver and kidney function tests are essential to assess the functioning of vital organs. 4. Eye exam: Detect problems like glaucoma and vision loss. 5. Vitamin D and Vitamin B12 test: Deficiency in these can lead to problems like weakening of bones and persistent fatigue. Important health tests for women after age 50: 1. Bone density test (DEXA scan) to assess your risk of osteoporosis. 2. Colon cancer screening: Get a colonoscopy or other screenings as recommended by your doctor. 3. Heart health checkup: Get an ECG, Echocardiogram, and other tests as needed. 4. Menopause health assessment: Check for hormonal changes and related problems. 5. Regular dental and eye checkups: These are crucial as you age. Why are health checkups important? Early detection of serious illnesses allows timely treatment. The risk of heart disease and diabetes can be reduced. Monitors bone and hormonal health, helping you live a long and healthy life.

Rhea Chakraborty compared to Siya; director's statement sparks uproar, users slam him

Recently, a filmmaker compared Siya to Rhea Chakraborty, prompting widespread trolling. Find out what the matter is. The Siya-Ketan case is currently in the news. While the police are investigating, people are expressing their opinions about the case. Meanwhile, a filmmaker posted a post comparing Siya to Rhea Chakraborty, angering users. Filmmaker Sanjay Gupta tweeted something that has drawn widespread trolling. He compared Siya Goyal, an accused in the Pune murder case, to Rhea Chakraborty. Find out what the matter is. Sanjay's post caused a stir - Sanjay Gupta had appealed to people not to subject Siya to a media trial without evidence, as had previously happened with Rhea Chakraborty. However, his statement did not resonate with people, and he faced considerable criticism online. The controversy began when Sanjay Gupta shared a post on Instagram. In it, he wrote, "I'm not taking sides, I'm just saying, can we stop repeating with Siya what we did with Rhea? We watched the trial on TV, and the verdict was passed without evidence. We never learn." Social media users were enraged by the post. Many questioned how the two cases could be compared. One user wrote, "Comparing Siya to Rhea... really?" Another asked, "How can the two cases be similar? Siya was present at the scene when her fiancé was pushed into the ditch." Some dismissed Sanjay Gupta's statement as completely false, while others called it a mere incitement. Regarding the Siya-Ketan case, the case involves the death of 25-year-old Ketan Vishal Agarwal, the son of a Pune real estate businessman. He died on June 18th while trekking at Lohagarh Fort near Lonavala. Initially considered an accident, the police investigation later determined it to be a case of murder. According to the police, Ketan's fiancée, Siya Goyal, and her alleged lover, Chetan Chaudhary, conspired. They wanted to marry each other, while Siya was already engaged to Ketan. This entire case once again brought to mind the media trial of Rhea Chakraborty in 2020, when she faced numerous allegations and scrutiny following the death of Sushant Singh Rajput.

"It's just me here"; will Sohail Khan change his image as Salman's brother with "Alliance"? Did you tell us what Bhaijaan's reaction was?

Actor Sohail Khan will soon be seen in the reality show "Alliance." He recently spoke about participating in the show. He also revealed what advice his elder brother Salman Khan gave him about joining the show. Sohail Khan is going to participate in the show "Alliance." He will enter as a wild card contestant. Sohail has appeared as a judge on several reality shows, but this is the first time he will participate as a contestant. Speaking recently about the show, Sohail Khan said that his elder brother Salman Khan's stardom will not be of any use here. He will need to be strategic in this show. What is Sohail's intention behind joining "Alliance"? Kunal Khemu is hosting the show "Alliance." Many celebrities have participated as participants. Before joining the show, Sohail Khan's intention was clear: he would try to establish his own identity. He wants to change his image as Salman Khan's brother. A few days ago, news of Sohail joining "Alliance" surfaced. Now, Sohail Khan himself has confirmed this. He will change his image as Salman Khan's brother. Sohail Khan has worked in films as a director and actor. However, he hasn't received much recognition as an actor. Even today, when introducing himself, people call him "Salman Khan's brother." Recently, before joining "Alliance," Sohail spoke with the media and discussed his plans for the show, as well as his identity. According to HT, Sohail says he wants to change his image as Salman Khan's brother through the show. He said, "There's no family name on the show. There's no pressure from the industry. There's just me here. There's my mind and how I play the game. That's it. If people see a side of me when they leave that they've never seen before, it would be great." That's the only reason I came on this show. Sohail Khan also talked about the difference between "Alliance" and "Bigg Boss." He said, "Bigg Boss" has a lot of energy. It's emotional drama. I always thought it was Salman Bhai's space, not mine. The show "Alliance" is completely different. It's a mind game. It involves strategy. You have to defeat people quietly without them knowing. That's the challenge I enjoyed." Where is "Alliance" streaming? Sohail also talked about Salman Khan's reaction to his appearance on the show. When Sohail first told Salman Khan about being a part of a reality show, his reaction was completely different. According to Sohail, "Salman Bhai found it very interesting. Then suddenly he said, 'Are you sure why you're getting into this?'" Sohail further said, "From what I know Bhai, whatever he said was both a warning and a blessing. I accept it." Let us tell you that 'Alliance' is coming on the OTT platform Prime Video.

Shahid Kapoor refused to shoot in this city! Decision made due to pollution; major revelation related to 'Cocktail 2'

Recently, the line producer of 'Cocktail 2' made a big revelation, stating that Shahid Kapoor had refused to shoot during the shooting due to pollution. Find out what he said. 'Cocktail 2,' starring Shahid Kapoor, Kriti Sanon, and Rashmika Mandanna, was recently released in theaters. The film received mixed reviews from critics, but performed well at the box office. Refusal to shoot due to poor air quality - While the film was shot in beautiful locations like Italy, shooting in Delhi-NCR was a very different and challenging experience. During one schedule, the team had to work in dangerous levels of pollution, where the Air Quality Index (AQI) exceeded 500. Line producer Sumit Tyagi recently recalled this experience in a podcast. He explained that Shahid Kapoor at one point refused to shoot outside due to the poor air quality. Sumit even described Shahid as "temperamental." Arrangements for 5-6 air purifiers were made. Sumit said that the team was told that Shahid did not want to shoot in such poor air quality. Following this, the production team arranged for 5-6 air purifiers for him, even though the shoot was entirely outdoors. The shoot was taking place in Gurugram's Cyber ??City. He said, "We weren't sure how the air purifiers would work outdoors, but we were told it was just for convenience." Shahid was right to take precautions. Sumit further added, "This was one of those last-minute purchases. We immediately sent someone to get it. Shahid had said he wouldn't step out of the van. He only removed his mask during the shot; he wore it the rest of the time." An air purifier wasn't particularly useful in an open area like Cyber ??City.' However, Sumit also admitted that the pollution levels were extremely dangerous at the time, so Shahid was right to take precautions. But he said that bringing an air purifier for the outdoor shoot was merely a show of force, so that the actor felt his concerns were being taken seriously. On the work front, Shahid Kapoor will soon be seen in 'Farzi Season 2'.